सिंघु बॉर्डर पर लखबीर की हत्या, कृषि मंत्री तोमर के कनेक्शन की जांच करवाएगी पंजाब सरकार

जेपी सिंह

निहंगों के दल प्रमुख बाबा अमन सिंह की केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात का मामला तूल पक?ता जा रहा है। पंजाब सरकार को लगता है कि सिंघु बॉर्डर पर लखबीर सिंह की हत्या और सरेंडर करने वाले चार निहंगों के दल प्रमुख बाबा अमन सिंह की केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात के पीछे कोई गहरी साजिश है। पंजाब सरकार ने इस मामले की जांच कराने का फैसला किया है। पंजाब के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री सुखजिंदर रंधावा ने अमृतसर और तरनतारन जिला प्रशासन से इस बात का पता लगाने को कहा है कि लखबीर सिंघु बॉर्डर पर कैसे पहुंचा और उसे वहां कौन लेकर गया था।

रंधावा ने इस बात की आशंका भी जताई कि दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले लखबीर की सिंघु बॉर्डर पर हत्या कर के किसानों के आंदोलन को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची गई थी। रंधावा ने कहा कि लखबीर की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले निहंग जिस दल से ताल्लुक रखते हैं, उसके प्रमुख बाबा अमन सिंह की केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और पंजाब पुलिस के बर्खास्त इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह पिंकी के साथ जो फोटो वायरल हो रही हैं, उसकी भी जांच कराई जाएगी।

रंधावा ने कहा कि निहंग बाबा अमन सिंह के केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के संपर्क में होने का खुलासा होने के बाद लखबीर की हत्या से जुड़े केस ने नया मोड़ ले लिया है। रंधावा के अनुसार, पंजाब सरकार यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि अनुसूचित जाति और बेहद गरीब परिवार से होने के बावजूद लखबीर सिंह को तरनतारन जिले में उसके गांव चीमा से सिंघु बॉर्डर पर कौन लेकर गया।लखबीर की बहन राजकौर पहले ही कह चुकी है कि लखबीर के पास तो अपनी रोटी के लिए भी पैसे नहीं होते थे। गृहमंत्री ने तरनतारन और अमृतसर जिला प्रशासन को उन वजहों का पता लगाने के निर्देश दिए हैं जिनकी वजह से लखबीर अपने गांव से सिंघु बॉर्डर पर पहुंचा।

रंधावा ने कहा कि बाबा अमन सिंह को खुद सामने आकर स्पष्टीकारण देना चाहिए कि वे केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ मीटिंग में क्यों गए थे। क्या उन्हें इसके लिए खेती कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन की अगुवाई कर रही किसान यूनियनों ने कहा था।रंधावा ने कहा कि किसान आंदोलन के महत्व और सिंघु बॉर्डर पर निहंग जत्थेबंदियों के डेरे को देखते हुए बाबा अमन सिंह को चाहिए था कि वह केंद्रीय कृषि मंत्री से मिलने से पहले किसान यूनियनों को सूचित करते और मीटिंग के बाद उसका अपडेट भी यूनियनों को बताते। बाबा अमन सिंह और केंद्रीय कृषि मंत्री के मीटिंग की तस्वीरें सामने आने के बाद लोगों के मन में कई सवाल उठ रहे हैं जिनके जवाब जरूरी हैं। अगर इसमें किसी तरह की कोई साजिश है तो पंजाब सरकार उसकी जड़ तक पहुंचने और दोषियों को बेनकाब कर सजा दिलाने के लिए कोशिश हर संभव यत्न करेगी।

इसके पहले 'द ट्रिब्यून' ने यह खुलासा करके कि कुछ महीने पहले, जब विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन उफान पर था तब केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने लखबीर हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने वाले निहंग संगठन के नेता बाबा अमन सिंह को बाकायदा सिरोपा देकर सम्मानित किया था, किसान आंदोलन के खिलाफ गहरी साजिश की आशंका को बल दे दिया है।

'द ट्रिब्यून' की रिपोर्ट में कहा गया हैकि सिंधु बॉर्डर पर बेरहमी से मार दिए गए तरनतारन के लखबीर सिंह की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले निहंग संगठन के केंद्र सरकार से गहरे रिश्ते हैं। रिपोर्ट के अनुसार किसान आंदोलन के उफान के समय निहंग संगठन के नेता बाबा अमन सिंह के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर समेत कई मंत्री और बीजेपी नेता कई बैठकें कर चुके हैं। ऐसे में लखबीर हत्याकांड के पीछे कोई गहरी साजिश की चर्चा है।

दरअसल, निहंग नेता बाबा अमन सिंह कथित तौर पर आला बीजेपी नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों से सिंघु बॉर्डर पर डटे किसानों की ओर से 'एकतरफा' मध्यस्थ की भूमिका अदा करता रहा है।

निहंग जत्थेबंदी का नेता बाबा अमन सिंह केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के दिल्ली स्थित सरकारी बंगले पर केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर के साथ दोपहर के खाने पर लंबी बैठक भी कर चुका है। इस लंच में झारखंड के बीजेपी सांसद सुशील कुमार सिंह, भारत-तिब्बत संघ के राष्ट्रीय महासचिव सौरभ सारस्वत, बीजेपी की ओर से राष्ट्रीय किसान नेता बताए जाने वाले और बीजेपी किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सुखमहेंद्रपाल सिंह ग्रेवाल के साथ-साथ पंजाब का एक बदनाम पुलिसकर्मी गुरमीत सिंह पिंकी कैट भी शामिल था।

'द ट्रिब्यून' का कहना है कि उसके पास तीन फोटो मौजूद हैं, जो यह साबित करते हैं कि निहंग नेता बाबा अमन सिंह की बीजेपी नेताओं के साथ गहरी नजदीकियां हैं। अखबार से बातचीत में ग्रेवाल ने स्वीकार किया कि जिस बैठक में वह शीर्ष बीजेपी नेताओं से मिले, उसमें निहंग नेता अमन शामिल था। खास बात ये है कि ग्रेवाल जम्मू और कश्मीर के भारत तिब्बत संघ की इकाइयों से भी वाबस्ता हैं।

'द ट्रिब्यून' के खुलासे के बाद पंजाब के कोने-कोने में पूछा जा रहा है कि अब यह मुद्दा किधर जाएगा? क्योंकि लखबीर हत्याकांड के लिए बीजेपी संयुक्त किसान मोर्चा को गुनहगार ठहरा रही है। कहीं न कहीं इसे जातीय रंगत देने की भी साजिश की जा रही है। अलबत्ता बीजेपी अमन सिंह को सिरोपा दिए जाने और उसकी पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकातों पर फिलहाल पूरी तरह खामोश है। सूबे में और बाहर भी बहुतेरे लोग पहले से ही मानते आए हैं कि लखबीर हत्याकांड के पीछे कोई साजिश हो सकती है। इन लोगों का शक अब 'द ट्रिब्यून' के खुलासे के बाद पुख्ता हो चला है।

इस बीच सिंघु बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में दशहरे की सुबह हुई पंजाबी युवक लखबीर सिंह की हत्या के बाद अब सोशल मीडिया पर कुछ फोटो तेजी से वायरल हो रही हैं। इसमें केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सिंघु बॉर्डर पर बैठे निहंग जत्थेबंदियों के प्रमुखों में शामिल बाबा अमन सिंह को सिरोपा पहनाकर उनका सम्मान कर रहे हैं। फोटो में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी और दूसरे BJP नेता भी नजर आ रहे हैं। तस्वीर जुलाई 2021 में कैलाश चौधरी के आवास की है।

फोटो सामने आने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने लखबीर सिंह की हत्या को साजिश बताकर भाजपा पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता और किरती किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष रजिंदर सिंह दीपसिंहवाला ने कहा कि बाबा अमन सिंह और भाजपा नेताओं के बीच हुई इस मीटिंग के बाद गंदी राजनीति की बदबू आ रही है।भाजपा नेताओं के साथ निहंग बाबा अमन सिंह की 3 फोटो सामने आई हैं। ये फोटो जुलाई 2021 की हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी के घर ली गई इन फोटो में बाबा अमन सिंह के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, कैलाश चौधरी, लुधियाना के भाजपा किसान सेल के राष्ट्रीय सचिव सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल, पंजाब पुलिस से बर्खास्त किए जा चुके विवादित इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह 'पिंकी' और कुछ अन्य लोग दिखाई दे रहे हैं। एक फोटो में नरेंद्र सिंह तोमर बाबा अमन सिंह को सिरोपा पहना रहे हैं, तो दूसरी फोटो में बाबा अमन सिंह डाइनिंग टेबल पर बैठकर केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं के साथ खाना खा रहे हैं।

अंबानी और आरएसएस नेता की फाइल क्लियर करने के लिये मुझे 300 करोड़ रुपये की पेशकश की गई : सत्यपाल मलिक

सुशील मानव

"जब मैं जम्मू कश्मीर के गवर्नर के पद पर था तब अंबानी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक से जुड़े एक युवक की फाइल को क्लियर करने के एवज में मुझे 300 करोड़ रुपए की घूस की पेशकश की गई थी" यह दावा किया है जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने।

राजस्थान के झुंझुनू में मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाते हुये कहा है कि "कश्मीर जाने के बाद मेरे पास दो फाइलें आईं। एक अंबानी की फाइल थी और दूसरी आरएसएस से जुड़े एक शख्स की थी जो पिछली महबूबा मुफ्ती और बीजेपी की गठबंधन सरकार में मंत्री थे। वो पीएम मोदी के भी बेहद क़रीबी थे।'

उन्होंने आगे कहा कि "मुझे सचिवों ने सूचना दी कि इसमें घोटाला है और फिर मैंने बारी-बारी से दोनों डील रद्द कर दिये। सचिवों ने मुझसे कहा कि दोनों फाइलों के लिए 150-150 करोड़ रुपए दिये जाएंगे। लेकिन मैंने उनसे कहा कि मैं पांच कुर्ता-पैजामे के साथ आया हूं और सिर्फ़ उसी के साथ यहां से चला जाऊंगा।"

सत्यपाल मलिक ने आगे कहा कि "एहतियात के तौर पर मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से समय लेकर उन्हें इन दोनों फाइलों के बारे में बताया तथा यह भी कहा कि जो लोग इसमें शामिल हैं वो उनका नाम ले रहे हैं। मैंने उनसे सीधे कहा कि मैं पद से हटने के लिए तैयार हूं लेकिन मैं इन फाइलों को हरी झंडी नहीं दूंगा।"

सत्यपाल मलिक ने यह दावा करते हुए प्रधानमंत्री की तारीफ भी की कि उन्होंने उनसे कहा कि वो भ्रष्टाचार से समझौता ना करें। हालांकि उन्होंने दोनों फाइलों के बारे में विस्तार से नहीं बताया। पर संभवत: राज्यपाल सत्यपाल मलिक सरकारी कर्मचारियों, पेंशनर्स और पत्रकारों के लिए लाए गए एक ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़ी एक फाइल का जिक्र कर रहे थे। जिसके लिए सरकार ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस जनरल इंश्योरेंस से डील की थी।

बता दें कि अक्टूबर 2018 में जब सत्यपाल मलिक जम्मू और कश्मीर के गवर्नर थे तब उन्होंने कुछ गड़बड़ी के अंदेशे को देखते हुए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ यह डील कैंसिल कर दी थी। दो दिन बाद गवर्नर ने एंटी-करप्शन ब्यूरो को इस डील की जानकारी देते हुए कहा था कि वो इस कॉन्ट्रैक्ट की तह तक जांच-पड़ताल करे कि क्या इसमें किसी तरह का भ्रष्टाचार हुआ है?

सत्यपाल मलिक ने यह भी आरोप लगाया कि इस देश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार कश्मीर में है। पूरे देश में 4-5 प्रतिशत कमीशन मांगा जाता है लेकिन कश्मीर में 15 प्रतिशत कमीशन मांगा जाता है।

मेघालय के मौजूदा राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने तीन कृषि कानूनों के विरोध में 11 महीने से जारी किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि अगर उनका आंदोलन जारी रहता है तो वो अपना पद त्याग कर किसानों के साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि - "अगर किसानों का प्रदर्शन जारी रहा, तो मैं अपना पद छोड़ दूंगा और बिना किसी की परवाह किये उनके साथ खड़ा हो जाऊंगा। यह संभव है क्योंकि मैंने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। मैं संतुष्ट हूं कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया।"

खबर मरम्मत

- जुम्मन मियां पंक्चर वाले

जलवायु परिवर्तन से बेफिक्र अंधभक्त।

विश्व मौसम संगठन ने चेताया है की अफ्रीका के ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अगले 20 सालो में पिघल कर खत्म हो सकते है। हालांकि अफ्रीका ग्रीन हाउस गैसेज के सिर्फ 4 प्रतिशत उत्सर्जन के लिए उत्तरदायी है लेकिन उसे इसका खामियाजा सबसे ज्यादा भुगतना पड़ सकता है।

इधर भारत मेंअंधभक्तों को इसकी कोई फिक्र नहीं है। वे जलवायु परिवर्तन के प्रति मोदी सरकार की लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाने पर कभी दिशा रवि को गिरफ्तार करवाते है तो कभी अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ता ग्रेटा थंबर्ग को ट्रॉल करते है। ये हाल तब है जब हम उत्तराखंड और हिमाचल में ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणामों को बढ़ती बादल फटने और लैंड स्लाइड्स की घटनाओं के रूप में प्रत्यक्ष भुगत रहे है।

मरीजों की मुसीबत के लिए एक और ऐप

हरियाणा सरकार के बीमार स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने स्वस्थ हरियाणा नाम से एक मोबाइल एप जारी किया है। बताया गया है की इस के द्वारा सरकारी हस्पतालो में दिखाने के लिए मरीज अपने घर से ही रजिस्ट्रेशन करवा लेंगे और हस्पताल में जाकर लाइन में नही लगना पड़ेगा। मरीज के सारे टेस्ट का रिजल्ट भी इसी एप पर देखा जा सकेगा और पिछले इलाज का विवरण भी इस पर उपलब्ध होगा। बस मंत्रीजी ने ये नही बताया की इसके लिए स्मार्ट फोन की जरूरत होगी और इंटरनेट की भी।

खुद मंहगे प्राइवेट हस्पतालो में इलाज करवाने वाले विज साहब को नही पता है की उनके सरकारी हस्पतालो में वो ही गरीब गुरबे जाते है जिनके पास ना स्मार्ट फोन है और न उसको नेट डाटा के साथ रिचार्ज करवाने के पैसे। नए नए एप आदि से बहकाने के बजाए अगर मंत्री जी सरकारी हस्पतालो में सारी सुविधाएं वा स्टाफ उपलब्ध करवा दे तो लाइन भी अपने आप खत्म हो जाएंगी और इलाज भी मिल जाएगा। और लाइन में लगकर भी इलाज वो भी मुफ्त मिल जाए तो जनता तो लाइन में भी लग जायेगी उसको एप की जरूरत नहीं।पर जब चार आने के एप से जनता को मूर्ख बनाया जा सकता तो फिर करोड़ों रुपए हस्पतालो पर क्यू खर्च करें मंत्री जी।

पेट्रोल 100 के पार तो तीन-तीन हो जाओ सवार

असम के भाजपा के प्रधान भाबेश कलिता ने कहा है की अगर पेट्रोल 200 रुपया लीटर के पार हो गया तो सरकार दुपहिया वाहनों पर तीन आदमियों को बैठने की इजाजत देने पर विचार करेगी।

कलिता जी 200 रुपए लीटर से पहले ही पार हो चुके खाने के तेल के लिए भी ऐसा ही कोई चमत्कारिक उपाय सूझा देते तो जनता धन्य हो जाती। गैस के लिए तो हमारे प्रधानमंत्री नाले की गैस प्रयोग करने का उत्तम सुझाव दे ही चुके है। आशा है भाजपा नेताओं के ऐसे ही करिश्माई सुझाओ से बिना ही चीजों की कीमत कम किए जनता की जिंदगी खुशहाल हो जायेगी।

मंदिर पर 125 किलो सोना चढ़ाएगी तेलंगाना सरकार

तेलंगाना की के चंद्रशेखर राव सरकार नए बने नरसिम्हा स्वामी के येदाद्री मंदिर के शिखर पर मढ़ने के लिए रिजर्व बैंक से 125 किलो सोना खरीदेगी। बताया गया है की सोने की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए इसे आरबीआई से खरीदा जायेगा। 1800 करोड़ रुपए की लागत से बने इस मंदिर के शिखर पर सोना और दरवाजों पर सोना और चांदी मढ़ा जायेगा। शिखर के 125 किलो सोने की कीमत लगभग 60 से 65 करोड़ रुपए होगी और दरवाजों के सोने और चांदी पर लगभग 700 करोड़ खर्च होंगे। इससे पहले भी सरकारी खजाने से लगभग 5 करोड़ रुपए का सोने का मुकुट चंद्रशेखर राव सत्ता में आते ही एक मंदिर में चढ़ा चुके है।

एक घोषित संवैधानिक सेक्युलर देश में इस तरह एक धर्म पर जनता का धन लुटाना न सिर्फ असंवैधानिक है बल्कि भुखमरी में विश्व में101वे स्थान पर गिर चुके देश में अनैतिक और बेशर्मी पूर्ण अपराधिक कृत्य है।

गाय और गधा

गाय ने कहा में भारत देश जा रही हूं वहा के लोग गाय की बहुत इज्जत करते है।

गधे ने कहा हां जाओ और अगर वहा कोई दिक्कत आए तो बता देना वहा का प्रधान हमारी ही कौम का है।

अंतिम मिसरा

शादी और इश्क अपने ही शहर में कीजिए।
पेट्रोल अभी और महंगा हो सकता है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार ने अपने स्वामित्व में एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सैक्टर-6, नोएडा से मुद्रित करवा कर 708 सैक्टर-14 फरीदाबाद से प्रकाशित किया। Postal Reg. No. L/H.R/FBD/463-06